भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 342
9 दिसम्बर, 2022 को उत्तरार्थ

विषय: पुआल के प्रबंधन के लिए चावल की लघु अवधि की किस्मों की खेती

342. श्री आर.गिरिराजन:
श्री एस.कल्याणसुन्दरम:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या सरकार इस दृष्टिकोण से सहमत है कि लघु अवधि की किस्मों (एसडीवी) की खेती से चावल के पुआल का प्रबंधन आसान हो जाता है क्योंकि ये किस्में कम मात्रा में पुआल का उत्पादन करती हैं और खेत को जल्दी खाली करने में भी मदद करती हैं और इस तरह चावल की कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच पर्याप्त समय मिल जाता है; और

(ख) यदि हां, तो एसडीवी की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने के लिए प्रस्तावित हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) लघु अवधि की किस्मों (एसडीवी) की खेती से खरीफ धान की कटाई और रबी के लिए गेहूं की बुआई के बीच विस्तारित अवधि उपलब्ध होती है, जिससे धान उगाने वाले किसानों को धान की अतिरिक्त पुआल के स्व-स्थाने प्रबंधन और हटाने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। ऊंचाई के लिए विविधतात्मक विशेषता धान जैसी स्व-परागण वाली फसल में निहित है। बौनी किस्मों में लंबी किस्मों की तुलना में पुआल का कम उत्पादन होता है।

(ख) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू) ने बासमती चावल की किस्में पूसा बासमती 1509 (115 दिन), पूसा बासमती 1692 (115 दिन) और पूसा बासमती 1847 (125 दिन) तथा गैर-बासमती श्रेणी, सुगंधित चावल किस्में पीआर 126 (120-125 दिन), पूसा सुगंध 5 (125 दिन) और पूसा 1612 (120 दिन) सहित उच्च उपज वाली कम अवधि वाली किस्में विकसित की है। ये जल्दी परिपक्व होने वाली किस्में लगभग 20-25 दिन पहले परिपक्व हो जाती हैं जो किसानों को पुआल के प्रबंधन और गेहूं की बुवाई के लिए खेतों को तैयार करने में सक्षम बनाती हैं।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग चावल सहित खाद्यान्न फसलों के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) कार्यान्वित कर रहा है। चावल के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए सीधे बुवाई वाले चावल पर क्लस्टर प्रदर्शन, लाइन रोपाई, दबाव सहिष्णु किस्मों आदि, कम अवधि की किस्मों और संकर क़िस्मों सहित उच्च उपज वाली किस्मों के गुणवत्ता वाले बीजों का वितरण, सूक्ष्म पोषक तत्व, मृदा उपचार, पादप संरक्षण रसायन, कृषि उपकरण और मशीनरी जैसे विभिन्न घटक कार्यान्वित किए जाते हैं।

*****